23/12/06 HINDUSTAN

मन करता है

पीयुष गुप्ता
छात्र, कानपुर विश्वविद्यालय

लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करूँ

कानपुर का नाम प्रदूषित शहरों की सूची में अव्वल स्थान ग्रहण कर चुका है। जो हम लोगों के लिए शर्म की बात है। शहर में सांस लेना जहर पीने से कम खतरनाक नहीं रहा है। घरों के अंदर तक प्रदूषण प्रवेश कर चुका है। फिर भी अभी लोगों में इसके प्रति पर्याप्त जागरूकता नहीं दिख रही। शहर में निरंतर कम होती जा रही हरियाली और जहरीला धुआ फैलाते वाहनों की संख्या पर काबू नहीं पाया जा सका है। अब तो तेजाबी बारिश का भी खतरा मडरा रहा है। मैं युवाओं को किशोरों को इसके प्रति सजग करना चाहता हूँ क्योंकि हम में ही दम है जो इस नगर को आर्दश प्रदूषण रहित नगर बना सके। मैं नगरवासियों में पर्यावरण-प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैलाना चाहता हूँ। हमें पृथ्वी को एक होटल के रूप में नहीं अपितु इसे अपना घर समझना चाहिए। अपने घर की सुरक्षा व स्वच्छता स्वयं ही की जानी चाहिए।